करेंट अफ़ेयर्स

झारखण्ड

(संग्रह)

जून

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखण्ड **3**

- झारखंड ने विकास आवश्यकताओं हेतु कर हस्तांतरण में वृद्धि की मांग की 3
- पारसनाथ पहाड़ी 4
- बिरसा मुंडा शहीद दिवस 5
- पीएम गति शक्ति के तहत मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएँ 7
- संशोधित झरिया मास्टर प्लान (JMP) 8
- महुआ वृक्ष 11

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

झारखण्ड

झारखंड ने विकास आवश्यकताओं हेतु कर हस्तांतरण में वृद्धि की मांग की

चर्चा में क्यों ?

झारखंड सरकार ने अपने आर्थिक योगदान और विशिष्ट विकासात्मक आवश्यकताओं का संदर्भ देते हुए **सोलहवें वित्त आयोग से केंद्रीय कर हस्तांतरण में राज्य की हिस्सेदारी को वर्तमान 41% से बढ़ाकर 50% करने का आग्रह किया है।**

मुख्य बिंदु

- **विकासात्मक आवश्यकताओं के लिये उच्च कर हस्तांतरण:**
  - झारखंड, जो **खनन** के माध्यम से महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है तथा अपनी पर्यावरणीय और सामाजिक लागतों को वहन कर रहा है, ने **कृषि**, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सुधार के लिये वित्तीय सहायता बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
  - राज्य ने अपनी बड़ी कृषि-निर्भर आबादी और कृषि विकास की क्षमता पर प्रकाश डाला तथा स्थानीय आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिये लचीले निधि उपयोग का आह्वान किया।
- खनन गतिविधियों से संबंधित मुद्दे:
  - राज्य ने योजनाबद्ध भूमि सुधार पर ज़ोर दिया, प्रस्ताव दिया कि खनन कार्य समाप्त होने के बाद खनन की गई भूमि वापस कर दी जाए। साथ ही, इसने क्षेत्र में कार्यरत खनन कंपनियों से **1.40 लाख करोड़** रुपए की **लंबित राशि** जारी करने की माँग भी की है।
- **राज्य बजट और कल्याणकारी पहल:**
  - झारखंड के 1.45 लाख करोड़ रुपए के बजट में गरीबों, महिलाओं और कमज़ोर समूहों के लिये **सामाजिक कल्याण** हेतु 62,844 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं। 13,363 करोड़ रुपए महिलाओं की वित्तीय सहायता योजनाओं के लिये और 5,000 करोड़ रुपए पात्र निवासियों को मुफ्त बिजली देने के लिये समर्पित हैं।

16वाँ वित्त आयोग

- **परिचय:**
  - **भारतीय संविधान** के अनुच्छेद 280 के तहत गठित **16वाँ वित्त आयोग** 1 अप्रैल 2026 से शुरू होकर **पाँच वर्ष की अवधि** को कवर करेगा।
  - इसके अध्यक्ष **डॉ. अरविंद पनगढ़िया हैं** जबकि सदस्य हैं – **अजय नारायण झा**, **एनी जॉर्ज मैथ्यू**, **मनोज पांडा** तथा **सौम्य कांती घोष** (अंशकालिक)।
    - **ऋत्विक रंजन पांडे** सचिव के रूप में कार्यरत हैं।
- **भूमिका एवं कार्यादेश:** वित्त आयोग एक **संवैधानिक निकाय** है जिसका गठन हर पाँच वर्ष में **राजकोषीय संघवाद को बनाए रखने** और निम्नलिखित सिफारिशें करने के लिये किया जाता है:
  - संघ और राज्यों के बीच **कर राजस्व वितरण।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- राजस्व की कमी वाले राज्यों को **अनुदान सहायता के सिद्धांत।**
- स्थानीय निकायों (पंचायतों और नगर पालिकाओं) के लिये समर्थन।
- आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अंतर्गत **आपदा प्रबंधन वित्तपोषण की समीक्षा।**
- राज्यों की **समेकित निधि को मज़बूत करने के उपाय।**

महत्त्व:

- क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिये **समान संसाधन आवंटन** सुनिश्चित करना।
- **जमीनी स्तर पर शासन** और स्थानीय विकास का समर्थन करता है।
- राजकोषीय प्रबंधन, व्यय दक्षता और सार्वजनिक वित्त सुधार पर सलाह देना।

पारसनाथ पहाड़ी

चर्चा में क्यों ?

झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को पारसनाथ पहाड़ी **पर मांस, शराब और मादक पदार्थों की बिक्री तथा सेवन पर पहले से लागू प्रतिबंध को और सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। पारसनाथ पहाड़ी** जैन और संथाल आदिवासी समुदाय दोनों के लिये पवित्र स्थल है।

मुख्य बिंदु

पारसनाथ पर्वत का महत्त्व:

- यह पर्वत जैनों द्वारा **पारसनाथ** तथा संथाल **समुदाय** द्वारा **मरांग बुरू** (अर्थात् "महान पर्वत") के रूप में जाना जाता है।
- **जैनियों के लिये:** यह वह स्थान है जहाँ **पार्श्वनाथ** सहित **24 तीर्थंकरों में से 20 ने निर्वाण प्राप्त किया था।** पहाड़ी पर अनेक **जैन मंदिर** और **धाम** स्थित हैं।
- **संथालों के लिये: मरांग बुरू** को **सर्वोच्च प्राणवादी देवता** और **न्याय का आसन** माना जाता है। पहाड़ी पर स्थित जुग जाहेर थान (पवित्र उपवन) संथालों का सबसे पवित्र धोरोम गढ़ (धार्मिक स्थल) है।
  - **लो बिर बैसी**, जो कि **संथाल समुदाय की पारंपरिक जनजातीय परिषद** है, पर्वत की तलहटी में **ग्रामों के बीच के विवादों** को सुलझाने के लिये बैठक आयोजित करती है।
  - **वर्ष** 1855 का संथाल हुल, जिसका नेतृत्व **सिद्धू और कान्हू मुर्मू** ने किया था, **मरांग बुरू** से ही शुरू हुआ एक **महत्त्वपूर्ण जनजातीय विद्रोह** था।

पारसनाथ पहाड़ी विवाद:

- एक प्रमुख विवाद **सेंदरा उत्सव** को लेकर है, जो **संथाल समुदाय** द्वारा पहाड़ी पर आयोजित एक **पारंपरिक अनुष्ठानिक शिकार** है।
- यह प्रथा, जो **संथाल लोगों** के लिये एक **संस्कार** मानी जाती है, **जैन समुदाय** के **अहिंसा** और **शाकाहार** के मूल्यों के **बिल्कुल विपरीत** है, जिसके कारण **संथालों और जैनियों** के बीच **कानूनी संघर्ष** उत्पन्न हुआ।

संथाल:

- **संथाल जनजाति** भारत की **सबसे बड़ी आदिवासी समुदायों** में से एक है, जो मुख्यत: **झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा** तथा **असम** में निवास करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वे **संथाली भाषा** बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त है और जिसकी अपनी **लिपि ओलचिकी** है, जिसे **पंडित रघुनाथ मुर्मू** ने विकसित किया था।
- **नृत्य (एनेज)** और **संगीत (सेरेंग)** उनके **उत्सवों** तथा **सामाजिक आयोजनों** में **सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का मुख्य आधार** हैं।

बिरसा मुंडा शहीद दिवस

चर्चा में क्यों ?

9 जून 2025 को प्रधानमंत्री ने **भगवान** बिरसा मुंडा को **उनके शहीद दिवस** के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- **बिरसा मुंडा के बारे में:**
- **परिचय:**
  - **बिरसा मुंडा** एक प्रमुख **आदिवासी नेता**, **धार्मिक सुधारक** तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जिन्होंने छोटानागपुर क्षेत्र में ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के विरुद्ध **सशक्त प्रतिरोध** का नेतृत्व किया।
  - उन्हें **"धरती अब्बा"** (अर्थात् पृथ्वी के पिता) के नाम से भी जाना जाता है। वे **भूमि अधिकारों**, सामाजिक सुधार तथा **आध्यात्मिक एकता** के लिये आदिवासी समुदायों को संगठित करने हेतु स्मरण किये जाते हैं।
- **प्रारंभिक जीवन:**
  - उनका जन्म **15 नवंबर 1875** को **उलिहातु गाँव (ज़िला खूंटी, झारखंड)** में एक **गरीब मुंडा आदिवासी बटाईदार परिवार** में हुआ था। प्रारंभ में उनका नाम **दाउद मुंडा** रखा गया था, क्योंकि उनके पिता ने कुछ समय के लिये ईसाई धर्म अपनाया था।
- **शिक्षा:**
  - उन्होंने **जर्मन मिशन स्कूल** से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की, जिससे उन पर प्रारंभ में **ईसाई धर्म-शिक्षा** का प्रभाव पड़ा, किंतु **सांस्कृतिक पृथक्करण** के कारण उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया।
  - बिरसा वैष्णव विचारधारा से प्रभावित थे। उन्होंने एक **नवीन धार्मिक पंथ 'बिरसाइत'** की स्थापना की, जिसके अनुयायी उन्हें **भगवान के रूप में पूजते** थे।
- **विश्वास और शिक्षाएँ:**
  - उन्होंने सिंहबोंगा (सूर्य देवता) की पूजा के माध्यम से **एकेश्वरवाद का प्रचार किया**, शराबखोरी, काला जादू, अंधविश्वास और जबरन श्रम (बेथ बेगारी) की निंदा की एवं स्वच्छता, आध्यात्मिक एकता, आदिवासी पहचान पर गर्व व सामुदायिक भूमि स्वामित्व को बढ़ावा दिया।
- **ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध:**
  - **ब्रिटिश भूमि-राजस्व नीतियों** ने पारंपरिक **"खुंटकट्टी" भूमि प्रणाली** (जो एक कबीले के भीतर **सामूहिक भूमि स्वामित्व** पर आधारित थी) को समाप्त कर दिया, जिससे ज़मींदारों तथा **ठेकेदारों** को सशक्त किया गया, जिन्होंने **आदिवासी किसानों का शोषण** किया।
    - **बिरसा मुंडा** ने इन **अन्यायों के विरुद्ध** आदिवासी जनता को संगठित किया तथा उनके भूमि अधिकारों की पुन: प्राप्ति हेतु **सशक्त अभियान** चलाया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत में प्रमुख जनजातीय विद्रोह (MAJOR TRIBAL REVOLTS IN INDIA)

जनजाति (विद्रोह)	क्षेत्र	वर्ष	प्रमुख नेता
पहाड़िया	राजमहल पहाड़ियाँ	1778	राजा जगन्नाथ
चुआर (जंगल महल विद्रोह)	जंगल महल (छोटा नागपुर और बंगाल के मैदान के बीच)	1798	दुर्जन/दुरजोल सिंह, माधब सिंह, राजा मोहन सिंह, लछमन सिंह
उरांव और मुंडा (तमाड़ विद्रोह)	तमाड़ (छोटानागपुर)	1798; 1914-15	भोलानाथ सहाय/सिंह (1798) जात्रा भगत, बलराम भगत (1914-15)
हो और मुंडा	सिंहभूम और रांची (छोटानागपुर क्षेत्र)	1820-37; 1890	परहाट के राजा (हो) बिरसा मुंडा (1890)
अहोम	असम	1828-30	गोमधर कोंवर
खासी	जयंतिया और गारो पहाड़ियों के बीच का पहाड़ी क्षेत्र	1830	नुनक्लो शासक - तीरथ सिंह
कोल	छोटानागपुर (रांची, सिंहभूम, हज़ारीबाग, पलामू)	1831	बुद्धो भगत
संथाल	राजमहल पहाड़ियाँ	1833; 1855-56	सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू
खोंड	उड़ीसा, आंध्र प्रदेश	1837-56	चक्र बिश्नोई
कोया	पूर्वी गोदावरी ट्रैक (आंध्र) रंपा (आंध्र)	1879-80; 1886 1916; 22-24	तोमा सोरा, राजा अनंतय्यार अल्लूरी सीताराम राजू (रम्पा विद्रोह)
भील	पश्चिमी घाट, खानदेश (महाराष्ट्र), दक्षिण राजस्थान	1817-19; 25; 31; 46 & 1913	गोविंद गुरु (1913 मनगढ़ नरसंहार)
गोंड	आदिलाबाद (तेलंगाना)	1940	कोमरम भीम

Drishti IAS

- **उलगुलान आंदोलन (1895-1900):**
  - वर्ष 1895 में बिरसा मुंडा को **दंगा भड़काने** के आरोप में **गिरफ्तार** कर लिया गया और उन्हें **2 वर्षों के लिये जेल** में डाल दिया गया। वर्ष 1897 में रिहाई के पश्चात् उन्होंने **आदिवासी नेतृत्व वाले स्वशासन आंदोलन** के समर्थन हेतु **गाँवों में जनजागरण** आरंभ किया।
    - वर्ष 1899 में उन्होंने "उलगुलान" **(महान उपद्रव)** नामक **सशस्त्र आंदोलन** का नेतृत्व किया, जिसमें उन्होंने **ब्रिटिश सत्ता का प्रतिकार** करने तथा **"बिरसा राज"** के रूप में एक **स्वशासित आदिवासी राज्य** की स्थापना हेतु **गुरिल्ला युद्ध-नीति** अपनाई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **परिणाम और विरासत:**
  - **फरवरी 1900** में बिरसा मुंडा को पुन: **गिरफ्तार** कर लिया गया तथा **9 जून 1900** को मात्र **25 वर्ष** की आयु में **ब्रिटिश हिरासत** में **रहस्यमय परिस्थितियों** में उनकी मृत्यु हो गई; **आधिकारिक रूप से मृत्यु का कारण हैजा** बताया गया।
    - उनके आंदोलन के परिणामस्वरूप वर्ष **1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम** पारित किया गया, जिसने **जनजातीय भूमि अधिकारों (खुंटकट्टी)** को **कानूनी मान्यता** दी, **ग़ैर-जनजातीयों को भूमि हस्तांतरण** पर **प्रतिबंध** लगाया तथा **"बेठ बेगारी" (जबरन श्रम)** की प्रथा को **समाप्त** कर दिया।
  - वर्ष 2021 से, 15 नवंबर को **जनजातीय गौरव दिवस** (जनजातीय गौरव दिवस) के रूप में मनाया जाता है।

जनजातीय समुदायों से संबंधित प्रमुख पहल

- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान: यह योजना 63,000 अनुसूचित जनजाति बहुल गाँवों में मौजूदा योजनाओं को लागू करने के लिये एक व्यापक योजना है।
- **पीएम-जनमन** की शुरुआत वर्ष 2023 में की गई थी, ताकि स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय समावेशन और सामुदायिक समर्थन सहित लक्षित योजनाओं के साथ **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG) का समर्थन किया जा सके।**
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (PMAAGY) का उद्देश्य **महत्त्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले गाँवों में बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना है।**

पीएम गति शक्ति के तहत मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने **6,405 करोड़ रुपए** की लागत से झारखंड, कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश के **7 ज़िलों** में प्रस्तावित **दो** मल्टीट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्य बिंदु

- **अनुमोदित परियोजनाओं का विवरण**
  - कोडरमा–बरकाकाना दोहरीकरण (133 किमी) – झारखंड
    - यह परियोजना झारखंड के **प्रमुख कोयला क्षेत्र** से होकर गुज़रती है तथा **पटना और राँची** के बीच **सबसे छोटा एवं कुशल रेल संपर्क** प्रदान करती है।
  - बल्लारी–चिक्कजजूर दोहरीकरण (185 किमी) – कर्नाटक व आंध्र प्रदेश
    - यह रेलखंड **कर्नाटक** के **बल्लारी एवं चित्रदुर्ग ज़िलों** तथा **आंध्र प्रदेश** के **अनंतपुर ज़िले** को कवर करता है।
  - ये परियोजनाएँ PM गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का हिस्सा हैं, जो **बेहतर योजना** के माध्यम से **एकीकृत, मल्टी-मॉडल संपर्क** को सक्षम बनाती हैं।
- **परिचालन एवं आर्थिक लाभ**
  - **बढ़ी हुई लाइन क्षमता** से **रेलगाड़ियों की गतिशीलता** में वृद्धि होगी, **भीड़भाड़ कम** होगी तथा **सेवा की विश्वसनीयता** में सुधार होगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ये रेलमार्ग कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, कृषि सामान और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी **महत्त्वपूर्ण वस्तुओं के परिवहन** में अहम भूमिका निभाते हैं।
- **क्षमता विस्तार** से 49 **MTPA (मिलियन टन प्रति वर्ष)** अतिरिक्त माल यातायात उत्पन्न होने की संभावना है।
- **पर्यावरण एवं स्थिरता लाभ:**
  - रेलवे उन्नयन से **तेल आयात में 52 करोड़ लीटर** की कमी आने का अनुमान है तथा CO_2 **उत्सर्जन में 264 करोड़ किलोग्राम** की कमी होगी, जो **11 करोड़ पेड़ लगाने** के बराबर है।
  - रेल परिवहन, जो एक स्वच्छ व ऊर्जा-कुशल साधन है, की ओर बदलाव **भारत के जलवायु लक्ष्यों** को समर्थन देता है और **देश की रसद लागत** को कम करने में सहायक है।
- **झारखंड कोयला क्षेत्र के बारे में:**
  - झारखंड में खनिजों का विशाल भंडार है। राज्य के **7 ज़िलों (बोकारो, चतरा, धनबाद, गिरिडीह, हज़ारीबाग, कोडरमा तथा रामगढ़)** वाला क्षेत्र **राज्य का कोयला क्षेत्र** (coal belt) कहलाता है।
  - **देश के कुल खनिज भंडार का 40%** झारखंड में स्थित है।
  - यह राज्य **कूकिंग कोयले, यूरेनियम तथा पाइराइट** का **एकमात्र उत्पादक** है।
  - यह **भारत में कोयला, अभ्रक, कायनाइट तथा ताँबे के उत्पादन में प्रथम स्थान** पर है।

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान

- **अक्तूबर 2021 में शुरू किया गया** पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान 100 लाख करोड़ रुपए की एक परिवर्तनकारी पहल है, जिसका उद्देश्य अगले पाँच वर्षों में भारत के बुनियादी ढाँचे **में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।**
- इसे **BISAG-N (भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भूसूचना विज्ञान संस्थान)** द्वारा **डिजिटल मास्टर प्लानिंग टूल के रूप में** विकसित किया गया है।
  - **इसे गतिशील भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) प्लेटफॉर्म** पर तैयार किया गया है, जिसमें सभी मंत्रालयों/विभागों की विशिष्ट कार्य योजनाओं के आँकड़ों को एक व्यापक डेटाबेस में शामिल किया गया है।
- इस योजना का उद्देश्य ज़मीनी स्तर पर कार्य में तेज़ी लाने, लागत को कम करने और रोज़गार सृजन पर ध्यान देने के साथ-साथ आगामी **चार वर्षों में बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं की एकीकृत योजना** तथा कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।

संशोधित झरिया मास्टर प्लान (JMP)

चर्चा में क्यों ?

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने **झारखंड के झरिया कोयला क्षेत्र** में **आग, भूमि धंसाव तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास** से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु **संशोधित झरिया मास्टर प्लान (JMP)** को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

मुख्य बिंदु

संशोधित झरिया मास्टर प्लान (JMP) के बारे में

- **कुल वित्तीय परिव्यय:**
  - संशोधित योजना के कार्यान्वयन के लिये कुल वित्तीय परिव्यय **5,940.47 करोड़ रुपए** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **चरणबद्ध दृष्टिकोण** के तहत **आग, भूस्खलन से निपटने तथा सबसे संवेदनशील स्थलों के परिवारों के पुनर्वास** को प्राथमिकता दी जाएगी।

- **आजीविका अनुदान और सहायता:**
  - संशोधित योजना **कानूनी शीर्षक धारकों (LTH)** और **गैर-कानूनी शीर्षक धारकों (गैर-LTH)** दोनों परिवारों को **1 लाख रुपए का आजीविका अनुदान** प्रदान करती है।
  - इसके अलावा, LTH और गैर-LTH दोनों परिवारों के लिये **संस्थागत ऋण पाइपलाइन** के माध्यम से **3 लाख रुपए तक की ऋण सहायता** उपलब्ध होगी।
  - इस योजना का उद्देश्य **पुनर्वासित परिवारों के लिये आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित** करने हेतु लक्षित कौशल विकास कार्यक्रमों तथा आय-सृजन के अवसरों के माध्यम से स्थायी आजीविका उत्पन्न करना है।

- **बुनियादी ढाँचे का विकास:**
  - पुनर्वास स्थलों को आवश्यक **बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं** के साथ विकसित किया जाएगा, जिसमें **सड़क, बिजली, जलापूर्ति, सीवरेज, स्कूल, अस्पताल, कौशल विकास केंद्र,** सामुदायिक हॉल तथा अन्य सामान्य सुविधाएँ शामिल होंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कार्यान्वयन और समर्थन:**
  - इन प्रावधानों का कार्यान्वयन **संशोधित झरिया मास्टर प्लान के कार्यान्वयन हेतु गठित समिति की सिफारिशों** के अनुसार किया जाएगा।
  - **आजीविका पहलों** को समर्थन देने के लिये **झरिया वैकल्पिक आजीविका पुनर्वास कोष** की स्थापना की जाएगी, जिससे आजीविका संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।
  - क्षेत्र में संचालित **बहु-कौशल विकास संस्थानों के सहयोग** से कौशल विकास कार्यक्रम भी संचालित किये जाएंगे।

झरिया कोलफील्ड के बारे में

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - भारत के **झारखंड** में स्थित झरिया कोलफील्ड वर्ष 1916 से संचालित है तथा कोयला खनन का कार्य भी उसी समय से आरंभ हुआ था।
  - इसे **कोयला खदानों में लगी आग** की समस्या से निरंतर जूझना पड़ रहा है, विशेष रूप से राष्ट्रीयकरण से पूर्व अपनाई गई अवैज्ञानिक खनन विधियों के कारण।
- **झरिया में आग:**
  - वर्ष **1916 में पहली बार आग लगने की सूचना** मिलने के बाद से झरिया भूमिगत कोयला आग से प्रभावित रहा है, जिसका मुख्य कारण पूर्ववर्ती निजी ऑपरेटरों की अव्यवस्थित खनन प्रथाएँ थीं।
    - इन आगों ने पर्यावरण तथा स्थानीय आबादी पर गंभीर प्रभाव डाला है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी संकट, भूमि क्षरण तथा भू-धँसाव की स्थितियाँ उत्पन्न हुई हैं।
- **राष्ट्रीयकरण और सरकारी हस्तक्षेप:**
  - भारत में **कोयला खदानों के राष्ट्रीयकरण** के बाद, **पोलिश टीम और भारतीय विशेषज्ञों** सहित विशेषज्ञों ने वर्ष **1978 में लगी आग का अध्ययन** किया था।
  - भारत सरकार ने इस क्षेत्र में आग और भूस्खलन संबंधी मुद्दों के समाधान हेतु वर्ष **1996 में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति** का गठन किया था।
- **झरिया मास्टर प्लान (2009):**
  - **झरिया मास्टर प्लान** को भारत सरकार द्वारा वर्ष **2009 में 7,112.11 करोड़ रुपए** के अनुमानित निवेश के साथ अनुमोदित किया गया था।
  - इस योजना का उद्देश्य कोयला आग का प्रबंधन करना, प्रभावित समुदायों का पुनर्वास करना तथा सुरक्षित कोयला निष्कर्षण सुनिश्चित करना था, जिसकी अवधि दो वर्ष के पूर्व-कार्यान्वयन चरण सहित कुल दस वर्ष की निर्धारित थी।
  - वर्ष 2021 में मास्टर प्लान की समाप्ति के बाद, कोयला मंत्रालय ने अग्नि प्रबंधन और पुनर्वास परियोजनाओं की निगरानी और वित्तपोषण जारी रखा।
  - वर्ष 2022 में गठित **एक समिति** ने **आग बुझाने, मुआवज़ा देने तथा पुनर्वासित परिवारों** के लिये आवश्यक बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराने हेतु आगे की कार्रवाई की सिफारिश की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अग्नि प्रबंधन में प्रगति:**
  - **वैज्ञानिक उपायों और प्रौद्योगिकी** के माध्यम से झरिया में अग्नि स्थलों की संख्या को 77 से घटाकर 27 कर दिया गया।
  - **सतह सीलिंग, ट्रेंचिंग तथा निष्क्रिय गैस निस्सारण** जैसी तकनीकों के क्रियान्वयन से अग्नि प्रभावित क्षेत्र को 17.32 वर्ग किमी से घटाकर 1.80 वर्ग किमी कर दिया गया।
- **पुनर्वास और पुनर्स्थापन:**
  - इस योजना का मुख्य ध्यान आग और भूस्खलन से प्रभावित परिवारों के पुनर्स्थापन पर था, जिसके अंतर्गत BCCL (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) द्वारा विस्थापित आबादी के लिये आवास निर्माण किया जा रहा था।
  - हालाँकि, भूमि मालिकों के प्रतिरोध तथा भूमि अधिकार हस्तांतरण के लिये कानूनी ढाँचे की कमी के कारण पुनर्वास प्रयास जटिल हो गए।
  - भूमिगत आग के आकलन में तकनीकी चुनौतियाँ और कोयला निष्कर्षण के लिये भूमि अधिग्रहण को लेकर जनसामान्य की शंकाएँ भी इन प्रयासों की जटिलता को और बढ़ाती रहीं।
- **कोयला निष्कर्षण:**
  - इस क्षेत्र में **पर्याप्त कोयला भंडार** उपलब्ध है, जिससे **जून 2023 तक लगभग 43 मिलियन टन कोयला** निकाला जा सकता है।
  - कोयला निष्कर्षण अब भी एक प्राथमिक उद्देश्य बना हुआ है तथा उत्पादन लक्ष्यों के साथ-साथ पर्यावरण और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के संतुलन के प्रयास भी जारी हैं।

महुआ वृक्ष

चर्चा में क्यों ?

मध्य भारत के जनजातीय समुदायों के जीवन से गहराई से जुड़ा **महुआ वृक्ष** (*Madhuca longifolia*) अपने **सामाजिक-आर्थिक** तथा **पारिस्थितिकी महत्त्व** के कारण **पारंपरिक ज्ञान** के दस्तावेज़ीकरण और **देशी वनस्पतियों के संरक्षण** के प्रयासों के बीच ध्यान आकर्षित कर रहा है।

- यह सामान्यत: **पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, उत्तर और मध्य भारत** के कुछ हिस्सों **तथा महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल** में पाया जाता है।

मुख्य बिंदु

- **महुआ के बारे में:**
- **वानस्पतिक पहचान:**
  - महुआ एक **मध्यम आकार** की **पर्णपाती प्रजाति** है, जो लगभग **16 से 20 मीटर** ऊँचाई तक पहुँचती है।
  - यह मुख्यत: **मध्य भारत** के **वन क्षेत्रों** में होता है।
  - यह वृक्ष **मार्च-अप्रैल** के बीच खिलता है और इसमें **क्रीमी-सफेद फूल** आते हैं, जो **सूर्योदय से पहले** गिर जाते हैं।
  - इसके फल **जून से अगस्त** तक पकते हैं तथा **मौसमी कटाई** के लिये उपयुक्त होते हैं।
- **सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व:**
  - आदिवासी समुदाय द्वारा महुआ को **"जीवन का वृक्ष"** के रूप में पूजनीय माना जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वे इसके प्रत्येक भाग- फूल, पत्तियाँ, फल, बीज तथा फल के छिलकों का उपयोग दैनिक रीति-रिवाजों और अंतिम संस्कार जैसे प्रमुख अनुष्ठानों में करते हैं।

- **पोषण संबंधी और आर्थिक महत्त्व:**
  - आदिवासी लोग महुआ के फूलों को कच्चा या सुखाकर खाते हैं, क्योंकि वे **पौष्टिक तत्त्वों से भरपूर होते हैं।**
  - इन फूलों को परंपरागत रूप से किण्वित कर एक स्थानीय मादक पेय तैयार किया जाता है, जो आजीविका का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।
- **वन पारिस्थितिकी तंत्र में भूमिका:**
  - महुआ के रात में खिलने वाले, सुगंधित फूल चमगादड़ों को आकर्षित करते हैं, जिससे **परागण** और **बीज प्रसार** को बढ़ावा मिलता है।
  - **स्लॉथ बियर** तथा अन्य **वन्यजीव** इसके फूलों का उपभोग करते हैं, जिससे **वन खाद्य शृंखला** में इसकी भूमिका स्पष्ट होती है।
- **आदिवासी आजीविका और नवाचार में योगदान:**
  - महुआ फूलों का **संग्रह, सुखाना तथा प्रसंस्करण** एक प्रमुख **मौसमी व्यवसाय** है, विशेषकर **आदिवासी महिलाओं** के लिये।
    - यह गतिविधि **खाद्य सुरक्षा**, **आय सृजन** तथा **स्थानीय रोज़गार** सुनिश्चित करती है।
  - **भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (TRIFED)** ने **फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (FIIT)** के सहयोग से **महुआ उत्पादों** के **वाणिज्यिक मूल्य** को बढ़ाने हेतु **महुआ न्यूट्रा पेय** विकसित किया है।
    - इस पहल का उद्देश्य **नवाचार** के माध्यम से **जनजातीय समुदायों की आय** को बढ़ावा देना है।
  - यह **महुआ से संबंधित भारत का पहला वैज्ञानिक नवाचार** है, जिसकी शुरुआत **झारखंड** से हुई है तथा यह **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण** और **नवाचार** के माध्यम से **लघु वन उपज (MFP)** के **मूल्य संवर्द्धन** पर **TRIFED** की नीति को दर्शाता है।

भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड)

- **भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास परिसंघ (TRIFED) की स्थापना** वर्ष 1987 में हुई। यह राष्ट्रीय स्तर का एक शीर्ष संगठन है, जो **जनजातीय कार्य मंत्रालय** के प्रशासकीय नियंत्रण के अधीन कार्य करता है।
- ट्राइफेड का प्रमुख उद्देश्य जनजातीय उत्पादों, जैसे- **धातु कला, जनजातीय टेक्सटाइल, कुम्हारी, जनजातीय पेंटिंग,** जिन पर जनजातीय लोग अपनी आय के एक बड़े भाग हेतु बहुत अधिक निर्भर हैं, के विपणन विकास द्वारा देश में जनजातीय लोगों का सामाजिक-आर्थिक विकास करना है।
- ट्राइफेड जनजातियों को अपने उत्पाद बेचने में एक समन्वयक और **सेवाप्रदाता** के रूप में कार्य करता है।
- यह जनजातीय लोगों को जानकारी, **उपकरण और सूचनाओं के माध्यम से** सशक्त करता है, ताकि वे अपने कार्यों को अधिक क्रमबद्ध और वैज्ञानिक तरीके से कर सकें।
- इसमें जागरूकता, **स्वयं सहायता समूहों** की रचना और कोई खास कार्यकलाप करने के लिये प्रशिक्षण देकर जनजातीय लोगों का क्षमता निर्माण भी शामिल है।
- ट्राइफेड का **मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है** और देश में विभिन्न स्थानों पर इसके **15 क्षेत्रीय कार्यालय हैं।**

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :